डॉ० अनुजा कुमारी
(इतिहास विभाग)
एस० एन० एस० आर० के० एस कालेज
सहरसा

Scanned by Scanner Go

धर्म को व्यापक स्तर पर पहुँचा दिया

अशोक ने बौद्ध धर्म के सिद्धान्तों को समझने के लिए अपने राज्य में बौद्ध धर्म सभा का आयोजन किया। इस सभा में सम्पूर्ण साम्राज्य के भिक्षु शामिल हुए थे। जो स्वयं में इतिहासिक था इसमें उन्होंने महात्मा बुद्ध के उपदेशों के माता का वर्णन कर अपनी निति को ऊजागर किया इतना ही नही बल्कि उन्होंने बौद्ध भिक्षुकों को सुत पितक, विनय पितक, आदि धर्म ग्रंथों का अध्ययन कर उनके मुल तत्वों को समझाने की आवश्यकताओं पर बल दिया जिससे बौद्ध धर्म के अन्दर एक नई चेतना आयी इसप्रकार हम कह सकते हैं कि मध्यकाल में जिसप्रकार भक्ति अंदोलन हिन्दु धर्म का एक नया बल प्राप्त हुआ था उसी तरह अब बौद्ध सभा की सजीव जानकारी हमें अशोक के भावरूक अधिकारी से मिलती है। अशोक अपने धर्म को प्रचारिक प्रसारिक करने के लिए ना सिर्फ संनरक्षण प्रधान किया उसमें दृढ़ता भी लायी तथा विशाल धन राशि भी दिया जिसके परिणामस्वरूप धार्मिक संस्थाओं ने बिना कुछ सोचे समझे इस धर्म को विश्व व्यापी बना दिया। इलाहाबाद स्तम्भ लेखों से हमें यह भी जानकारी मिलती है कि उसने अपने सग सम्बन्धियों को भी धर्म प्रसार के लिए लगाया तथा आम के कई बगीचे भी दान में दिये। वस्तुतः उसके साथ में अभिलेख से

Scanned by Scanner Go

उसके दान के उद्देश्य सब्द तैयार जात हो जाता है।

पहले की परिस्थिति में अशोक युद्ध यात्रा को अधिक महत्व देता था लेकिन अब बदली हुई परिस्थिति में धर्मयात्रा को अधिक महत्व देने लगा। इसक्रम में उन्होंने विभिन्न मेद्रों का निर्माण कर उसे नया रूप दिया मेद्रों में भिक्षु एवं भिक्षुणियों रहा करती थी। इतना ही नही बल्कि अशोक ने अब धर्म को सफल बनाने के लिए बीच-बीच में प्रतियोगिता का आंरभ किया इन आयोजन के मूल में उसका एक मात्र उद्देश्य बौद्धधर्म की विशेषताओं का मानव समुदाय के बीच ऊजागर करना था। वैसे भी किसी भी वस्तु को अधिक से अधिक प्रचारित प्रसारिक करने के लिए माध्यम के रूप में एक भाषा का होना आवश्यक होता है। लेकिन वह भाषा वही हो सकती है। जिसे सभी लोग असानी से समझ सके। इसक्रम में उन्होंने पाली भाषा को प्रचार का माध्यम चुना क्योंकि पाली उस समय में जन सधारण की भाषा थी। जैसा कि आज के समय में हिन्दी है। अतः उन्होंने बौद्ध मत की शिक्षाओं को पाली में विभिन्न शिलाओं और स्तम्भलेखों खुदवाया जिससे अब बौद्धधर्म की शिक्षाये सधारण लोगों तक भी असानी से पहुँचने लगी। जिसप्रकार सेन्टपाल ने सीमित ईसाई मत को

Scanned by Scanner Go